क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 241, बुधवार, 26 सितम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

फैजाबाद के महिला अस्पताल में स्ट्रेचर से गिरकर नवजात की मौत, परिवारवालों का हंगामा

फैजाबाद। जिला महिला चिकित्सालय में चिकित्सक व स्टाफ की लापरवाही के चलते सोमवार को प्रात लगभग 10 बजे एक नवजात शिशु की स्ट्रेचर से गिरकर सर फटने के बाद मौत हो गई। इस घटना को लेकर महिला अस्पताल में परिजनों ने जमकर हंगामा किया। अस्पताल के सामने रोड जाम कर विरोध दर्ज कराया। पुलिस प्रशासन ने पीड़ित परिजनों को समझा बुझाकर व कारवाई का वास्ता देकर मामले को समाप्त करने की कोशिश की। पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के रानी बाजार के निकट सुकुल का पुरवा निवासी संगीता शुक्ला पत्नी भानु प्रताप शुक्ला को प्रसव के लिए सोमवार की रात लगभग 10 बजे जिला महिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था । उस उसने मंगलवार को प्रात लगभग 10 बजे एक बच्चे को जन्म दिया। परिजनों के अनुसार जिस समय बच्चे का जन्म हुआ उस समय महिला स्टाफ हड़ताल पर बाहर खड़ी होकर नारेबाजी कर रही थी। ऑपरेशन कक्ष में कोई भी मरीज कोई भी चिकित्सक नहीं था। इसी बीच गर्भवती को स्ट्रेचर पर ही बच्चा पैदा हुआ लेकिल स्टाफ की लापरवाही के कारण नवजात शिशु स्ट्रेचर से नीचे गिर गया और उसका सिर फट गया जिससे बचे की मौत हो गई। इसी से आक्रोशित परिजनों ने हंगामा किया। घटना की सूचना पर मौके पर एडीशनल सिटी मजिस्ट्रेट ल सीओ सिटी ससमूत भारी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया। इस समय पुलिस व प्रशासन के अधिकारी पीड़ित परिवार को शांत कराने की कोशिश में पुलिस लगी है।

सप्तक्रांति की एसी बोगी में घुसा बरसात का पानी, यात्रियों का सामान भीगा

एजेंसी, लखनऊ। आनंदविहार से मुजफ्फरपुर वाया लखनऊ जाने वाली ट्रेन 12558 बिहार सप्तक्रांति एक्सप्रेस की बोगियों में बरसात का पानी घुस गया। यात्री दिल्ली से लखनऊ तक मदद मांगते रहे लेकिन उनको मदद नहीं मिली। इससे यात्रियों का कोच में रखा सामान भीग गया। यात्रियों ने इसकी शिकायत रेल अधिकारियों से की है। वहीं पाटलीपुत्र एक्सप्रेस में चेयरकार हटाकर जरनल कोच लगाए जाने पर यात्रियों ने हंगामा किया। सप्तक्रांति एक्सप्रेस के बी-3 कोच में की बर्थ संख्या 21 व 19 पर सफर कर रहे राजन कुमार के अनुसार दोपहर में दिल्ली से ट्रेन चलने के बाद बारिश शुरू हो गई। बारिश का पानी सील एसी खिड़कियों से होता हुआ अंदर घुस आया। इससे यात्रियों का कोच के अंदर रखा लग्गैज भीगने लगा। यात्रियों ने बताया कि इसकी शिकायत उन्होंने रेलवे से की तो उनको मुरादाबाद में मदद दिए जाने का आश्वासन दिया गया लेकिन ट्रेन मुरादाबाद में रुकने के बाद भी उनको मदद नहीं मिली। इससे कई यात्रियों का सामान भीग गया। इसके बाद लखनऊ में सफाई कर्मियों ने ट्रेन में जाकर पानी साफ किया। लेकिन तब तक कई यात्रियों का सामान भीग चुका था।

पाटलीपुत्र एक्सप्रेस में हंगामा

यात्रियों से स्लीपर चेयरकार का पैसा लेने के बाद रेलवे ने उनको जरनल कोच में सफर करा दिया। यात्री अजय पाठक ने बताया कि उनको ट्रेन 12529 लखनऊ पाटलीपुत्र इंटरसिटी में उनको डी-1 में 54 नम्बर सीट एलॉट हुई थी। अजय समेत जब अन्य यात्री ट्रेन पकड़ने पहुंचे तो वहां डी-1 कोच ही गायब था। इसके बाद यात्रियों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। बाद में रेलवे ने जानकारी दी कि कोच में खराबी आने की वजह से चेयरकार की जगह जरनल कोच लगा दिया गया है। वहीं, यात्रियों ने पैसा रिफंड किए जाने की मांग की है।

टाटा पॉवर ने शक्तिनगर के स्कूल में लगाया आरओ प्लांट

नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के मकसद से टाटा पावर-डीडीएल ने अपने नेटवर्क क्षेत्र में स्थित गवर्नमेंट ब्वॉयज़ सीनियर सेकंडरी स्कूल नंबर 1, शक्ति नगर में एक वॉटर आरओ (रिवर्स ऑस्मोसिस) प्लांट लगाया है। जो हर घंटे 500 लीटर पानी को शुद्ध कर सकता है। इस प्लांट से हर रोज़, करीब 5 हजार छात्रों, शिक्षकों एवं नॉन-टीचिंग स्टाफ को स्वच्छ पेयजल मिल सकेगा। यही नहीं, स्कूली बच्चे आरओ का साफ़ पानी अपने घर भी ले जा सकेंगे। इस दौरान मॉडल टाउन से विधायक अखिलेश पति त्रिपाठी के साथ स्कूल के प्रिंसीपल, टीचर, स्टूडेंटस समेत स्कूल के पूर्व छात्र भी मौजूद थे।

गृहमंत्री राजनाथ ने छात्रों से की मन की बात, कहा नहीं बनना चाहता था राजनेता

लखनऊ, एजेंसी। गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को छात्रों से 'मन की बात' की। कहा, ' मैं राजनेता नहीं बनना चाहता था। उस समय तो यही तमन्ना रहती थी कि हम यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा में सफलता पाकर आईएएस, आईपीएस बने।

मैं तैयारी भी कर रहा था। हमारे बहुत सारे मित्र बन भी गए।' गृहमंत्री मुस्कुराते हुए कहते हैं कि पैर फिसला और राजनीति में आ गया।

वह मंगलवार को राजधानी के जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में आयोजित 'बेटी पढ़ाओ- बेटी बचाओ' कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत नुक्कड़ नाटक के साथ की गई। बच्चों ने बेटी बचाओ का नारा दिया।

मेधावियों का सम्मान हुआ। इस दौरान गृहमंत्री ने छात्रों से बात की। उनके सवालों के बेबाकी से जवाब दिए। कार्यक्रम में जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल के चेयरमैन सर्वेश गोयल, मनोज गोयल के साथ राज्यमंत्री स्वाति सिंह, सांसद अंजुबाला के साथ भारी संख्या में छात्र अभिभावक समेत अन्य मौजूद रहे।

छात्रों के सवालों पर गृहमंत्री के जवाब

सवाल : बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ योजना में आगे क्या-क्या करेंगे ?

उत्तर : इस कार्यक्रम को सारे देश में काफी प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। महिला सुरक्षा के लिए और भी कई कदम सरकार ने उठाए हैं। कोशिश यह है कि बेटियों भी आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

सवाल : पहले एक शिक्षक थे। राजनीतिक जीवन में आप उसे कैसे देखते हैं ?

जवाब : मैं संस्कारों की बात कर रहा हूं। यहीं शिक्षक होने के कारण ही है। वैसे कभी सोचा नहीं था कि राजनीति में जाऊंगा। बस पैर फिसला और राजनीति में आ गए। तमन्ना आईएएस आईपीएस बनने की थी।

सवाल : आज का युवा भारतीय संस्कृति से दूर क्यों भाग रहा है ?

जवाब : इसकी जिम्मेदारी विद्यालय के साथ माता-पिता और पूरी परिवार को उठानी पड़ेगी। भारत की संस्कृति दुनिया में सबसे श्रेष्ठ हैं।

'वसुधैव कुटुम्बकम' हमारे ही ऋषि मुनियों ने दिया। उनका मन कितना बड़ा है। दुनिया में किसी भी दूसरे देश या विद्वान ने ऐसा संदेश नहीं दिया था। कई विदेशी विद्वानों ने कहा है कि भारत की संस्कृति को समझने के लिए यहां कई जिंदगी गुजारनी पड़ेगी। तब इसे समझ सकेंगे।

शिक्षक राजनाथ ने दिए मंत्र, कहा संस्कार अहम

अपने राजनीतिक कौशल से विपक्षियों के छक्के छुड़ाने वाले राजनाथ सिंह जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में एक शिक्षक की भूमिका में नजर आए। उन्होंने छात्रों को सफलता पाने के तीन मंत्र भी दिए। आत्मविश्वास , शिक्षा और ज्ञान के साथ संस्कार।

गृहमंत्री ने कहा कि बिना संस्कारों के ज्ञान और शिक्षा अधूरी है। उदाहरण देते हुए कहा कि आज आतंकवादियों के पास भी ज्ञान होता है। स्नातक, परास्नातक, इंजीनियर तक हैं। लेकिन, संस्कार न होने के कारण वह उस ज्ञान का सही इस्तेमाल नहीं कर पाते।

फेंके गए पेट्रोल बम, हड़ताल पर गए डॉक्टर

बीएचयू में मारपीट के बाद देर रात बवाल और आगजनी

वाराणसी। एक दिन पहले ही छात्र-छात्राओं में हुए विवाद के बाद धीरे-धीरे शांत हो रहा बीएचयू का माहौल सोमवार शाम एक मरीज के परिजनों और रेजिडेंट डॉक्टर के बीच मारपीट के बाद फिर गरमा गया। गुस्साए रेजिडेंट डॉक्टरों ने मरीज के परिजन को पीटा तो बीएचयू के छात्रों ने देर रात डॉक्टरों की पिटाई कर दी। एलडी गेस्ट हाउस के सामने एसबीआई का एटीएम तोड़ दिया और आगजनी भी की। पेट्रोल बम भी फेंके गए।

पुलिस देर रात तक परिसर में घुस नहीं सकी। दोनों पक्षों के बीच चार बार मारपीट हुई। क्षुब्ध डॉक्टरों ने देर रात हड़ताल पर जाने का ऐलान कर बीएचयू अस्पताल की ओर आने वाले सभी गेटों पर ताले जड़ दिये। देर रात बिड़ला और डॉक्टर्स हास्टल के बीच हुए पथराव में 12 छात्र घायल हुए। वीसी आवास पर भी पथराव हुआ।

मामले की शुरुआत एक मरीज को दिखाने को लेकर हुई। आरोप है कि मरीज को शाम तक इलाज के नाम पर बिठाए रखा। बाद में इंकार कर दिया। विरोध पर डॉक्टरों ने मारपीट की। परिजनों की सूचना पर भगवानदास हॉस्टल के दर्जनों छात्रों ने धनवंतरि छात्रावास में घुसकर डॉक्टरों को पीट दिया। छात्रों ने देर रात लंका थाने के समीप एक रेस्टोरेंट में खाना खा रहे डॉक्टरों को खींचकर पीटा। इसके बाद डॉक्टर धरने पर बैठ गए।

एमएस प्रो. विजय नाथ मिश्र, चीफ प्राक्टर प्रो. रोयाना सिंह, एडीएम सिटी विनय कुमार सिंह समेत आला अधिकारी पहुंचे और डॉक्टरों को मनाने की कोशिश की। पुलिस ने डॉक्टरों की तहरीर पर शिवजी सिंह नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया।

चित्रकूट के जंगल में बबुली गिरोह से मुठभेड़, ईनामी दबोचा

चित्रकूट। साढ़े पांच लाख के इनामी ड़कैत बबली कोल गैंग के हार्डकोर सदस्य मुनुवा को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गोपीपुर जंगल से दबोच लिया। मंगलवार की तड़के करीब चार बजे मुठभेड़ दस दौरान हुई जब वह गैंग के पास जा रहा था। पुलिस ने दोनों तरफ से फायरिंग होने के बाद उसे घेरकर पकड़ लिया। उसके कब्जे से तमंचा व कारतूस बरामद किए गए है। मंगलवार को तड़के करीब चार मुखबिर से मिली सूचना पर मारकुंडी थाना प्रभारी रामेन्द्र कुमार व मानिकपुर प्रभारी केपी दुबे ने गोपीपुर जंगल में घेराबंदी की। इसी दौरान बबुली गैंग का सक्रिय सदस्य मुनुवा उर्फ गिदुराहू निवासी करौंहा थाना मारकुंडी नजर आया। पुलिस टीम ने उसे ललकारते हुए आत्म समर्पण करने को कहा। लेकिन उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। घना जंगल होने की वजह से उसने छिपते हुए कई फायर किए। इधर से पुलिस टीम ने भी जवाबी फायरिंग करते हुए घेराबंदी किया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक 315 बोर का तमंचा, दो कारतूस व पांच खोखा बरामद किया है। मुनुवा के विरुद्ध चित्रकूट जनपद के कई थानों में दर्जनों मामले संगीन धाराओं में पंजीकृत है। पुलिस की ओर से इसके ऊपर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। एसपी मनोज कुमार झा ने बताया कि मुठभेड़ बबुली गैंग से नही हुई है। मुनुवा बबुली का पुराना साथी है। वर्ष 2016 में बबली गैंग द्वारा की गई कई घटनाओं में यह शामिल रहा है। सुबह यह गैंग से मिलने जा रहा था। मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी के दौरान इसने पुलिस पार्टी पर फायरिंग की। पुलिस ने भी जबाबी फायरिंग किया। इसको पुलिस ने घेरकर दबोच लिया है।

राहुल, ओलांद पर जेटली का बयान हास्यास्पद : कांग्रेस

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रॉफेल सौदे को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद के बयानों में तारतम्य बताने संबंधी वित्त मंत्री अरुण जेटली की टिप्पणी को कांग्रेस ने सोमवार को हास्यास्पद करार दिया और कहा कि मुद्दे पर सटीक जवाब देने की बजाय सरकार कुतर्क दे रही है।

कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि श्री ओलांद जो बयान दे रहे हैं मोदी सरकार उसका जवाब नहीं दे पा रही है और निराशा तथा हताशा में अनुचित भाषा का इस्तेमाल कर मुद्दे से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। श्री जेटली ने रविवार को कहा था कि रॉफेल सौदे को लेकर पिछले दिनों श्री गांधी तथा श्री ओलांद के बयानों में जो तारतम्य नजर आया है, उसे देखते हुए लगता है कि दोनों के बीच जरूर कोई न कोई संबंध है। रॉफेल को लेकर श्री गांधी का बयान श्री ओलांद के प्रारंभिक बयानों से मेल खाता है और दोनों के बीच का तारतम्य बताता है कि इसमें कहीं कोई रहस्य जरूर है। फ्रांस भारत का पुराना साथी है। कारगिल युद्ध से लेकर संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी तथा परमाणु असप्रसार संधि जैसे सभी अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भारत को बराबर उसका समर्थन रहा है। वहां के विदेश मंत्री ने श्री ओलांद के बयान को नकारा नहीं है, बल्कि कहा है कि इससे भारत और फ्रांस के बीच के संबंध खराब हो सकते हैं।

निष्पक्ष और व्यापक जांच की मांग

सिंघवी ने मोदी सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल उठाए और कहा कि वह गंभीर मुद्दों पर हल्के और बेतुके तर्क देकर राजनीतिक लाभ पाने की सस्ती प्रक्रिया अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि रॉफेल मामले की निष्पक्ष और व्यापक जांच होनी जरूरी है।

कांग्रेस सरकार चाहती थी रॉफेल में वाड्रा की कंपनी बने बिचौलिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार में मंत्री और बीजेपी नेता गजेंद्र सिंह शेखावत ने आरोप लगाया है कि मनमोहन सिंह सरकार में सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा और संजय भंडारी की कंपनी को राफेल सौदे में 'बिचौलिये' की भूमिका देना चाहती थी। शेखावत ने सोमवार को कहा कि संजय भंडारी की कंपनी और रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी को यूपीए बिचौलिये के तौर इस्तेमाल करना चाहती थी। जब ये नहीं हो सका तो आज कांग्रेस इस डील को खत्म करके उसका बदला लेना चाहती है। संजय भंडारी रक्षा सौदों में बिचौलिये की भूमिक निभाता है। भंडारी ऑफसेट इंडिया सलूशंस (ओआईएस) का मुख्य प्रमोटर है। भंडारी पर ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट के तहत केस चल रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भंडारी की 26 करोड़ की संपत्ति जब्त कर ली थी। फ्रांस की रक्षा कंपनी दसाल्ट से भारत सरकार ने 36 राफेल विमानों के लिए 59 हजार करोड़ रुपये का सौदा किया है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी का आरोप है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने अनिल अंबानी की कंपनी को राफेल विमान का सौदा दिलवाया। राहुल का आरोप है कि राफेल सौदे में बीजेपी सरकार ने घोटाला किया है।

रॉफेल मामले में बेवजह हल्ला मचा रहा है विपक्ष: राजनाथ

लखनऊ (एजेंसी)। रॉफेल युद्धक विमान खरीद सौदे में विपक्षी दलों के आरोपों को बेबुनियाद और गैर जरूरी करार देते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पीएम मोदी के बढ़ती लोकप्रियता से घबराये कुछ दल आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान इसे अपना एजेंडा बनाने की फिराक में है। श्री सिंह ने कहा कि रॉफेल सौदे की प्रक्रिया शीशे की तरह पारदर्शी है। इसमें कुछ भी छिपाया नही गया है। इस बारे में फ्रांस की सरकार भी समय-समय पर सफाई दे चुकी है, लेकिन तेजी से जनाधार खाने से तिलमिलाई कांग्रेस राजनीतिक बढत हासिल करने के लिये इस गैर जरूरी मुद्दे को हवा देने की कोशिश में लगी है।' कश्मीर घाटी में आतंकी की बढ़ती घटनाओं को लेकर श्री सिंह ने कहा कि सुरक्षा बलों के बीच तालमेल बेहतर है और गड़बड़ी फैलाने वालों को मुंहतोड जवाब दिया जा रहा है। उन्होने कहा कि मै कह सकता हूं कि कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के पीछे पडोसी मुल्क पाक का हाथ है लेकिन भारत के खिलाफ किसी भी साजिश को सफल नही होने दिया जाएगा।'

जब रेलवे ट्रैक पर लाल झंडी पकड़ 20 मिनट तक बैठा रहा लंगूर, लोग हैरान

बरेली। उत्तरप्रदेश के सीतापुर में एकलंगूर रेल ट्रैक पर लाल झंडी लेकर बैठ गया तो वहां लोगों की भीड़ लग गई। लोग उसे रेल संरक्षा-सुरक्षा का दूत मानकर चर्चा करने लगे। काफी देर तक लंगूर झंडी पकड़े बैठा रहा। इसके बाद वह वहाँ से चला गया। रेल सूत्रों का कहना है, मुरादाबाद रेल मंडल के सीतापुर स्टेशन की लूप लाइन के पास क्रॉसिंग के पास गैंगमैन रेल पटरी पर लाल झंडी लगा दी थी। कुछ ही देर बाद वहां लंगूर पहुंच गया। वह झंडी पकड़कर करीब 20 मिनट तक बैठा रहा। लोगों ने उसे हटाने की कोशिश की मगर वहां से हटा नहीं। कई लोगों ने वीडियो और फोटो भी बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिए। दो फोटो रेलवे बोर्ड की साइट पर भी डाल दिये।

मारपीट के बाद डॉक्टर हड़ताल पर, हजारों मरीज व तीमारदार परेशान

वाराणसी। बीएचयू में पिटाई से क्षुग्ध रेजिडेंट डॉक्टर मंगलवार को हड़ताल पर चले गए। डॉक्टरों की इस हड़ताल के कारण हजारों मरीज और उनके तीमारदारों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सर सुंदरलाल चिकित्सालय से लेकर ट्रामा सेंटर तक रेजिडेंट डाक्टरों के हड़ताल पर जाने से भर्ती कई मरीजों की हालत बिगड़ गई है। हड़ताली डॉक्टर आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं। इस बीच मंगलवार को बीएचयू के एलडी गेस्ट हाउस में जिला प्रशासन व बीएचयू के अधिकारियों के बीच बैठक हुई। इस बैठक में में तय हुआ कि कला संकाय व डॉक्टरों के हॉस्टल को खाली कराने के लिए 24 घंटे की मोहलत दी जाएगी। बता दें कि सोमवार की शाम इलाज को लेकर सर्जरी वार्ड के रेजिडेंट डॉक्टरों की कुछ छात्रों ने पिटाई कर दी थी, जिसके बाद बीएचयू में काफी बवाल हुआ। जूनियर डॉक्टरों ने लिखित रूप से हड़ताल की घोषणा नहीं की है, लेकिन वह टोली बनाकर ओपीडी में घूमकर जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों को ओपीडी से बाहर कर रहे हैं, जिसके चलते ओपीडी पूरी तरह प्रभावित हुई है।

सोमवार शाम एक मरीज के परिजनों और रेजिडेंट डॉक्टर के बीच मारपीट के बाद फिर गरमा गया। गुस्साए रेजिडेंट डॉक्टरों ने मरीज के परिजन को पीटा तो बीएचयू के छात्रों ने देर रात डॉक्टरों की पिटाई कर दी। एलडी गेस्ट हाउस के सामने एसबीआई का एटीएम तोड़ दिया और आगजनी भी की। पेट्रोल बम भी फेंके गए। पुलिस देर रात तक परिसर में घुस नहीं सकी। दोनों पक्षों के बीच चार बार मारपीट हुई। क्षुब्ध डॉक्टरों ने देर रात हड़ताल पर जाने का ऐलान कर बीएचयू अस्पताल की ओर आने वाले सभी गेटों पर ताले जड़ दिये। देर रात बिड़ला और डॉक्टर्स हास्टल के बीच हुए पथराव में 12 छात्र घायल हुए। वीसी आवास पर भी पथराव हुआ। मामले की शुरुआत एक मरीज को दिखाने को लेकर हुई। आरोप है कि मरीज को शाम तक इलाज के नाम पर बिठाए रखा। बाद में इंकार कर दिया। विरोध पर डॉक्टरों ने मारपीट की। परिजनों की सूचना पर भगवानदास हॉस्टल के दर्जनों छात्रों ने धनवंतरि छात्रावास में घुसकर डॉक्टरों को पीट दिया। छात्रों ने देर रात लंका थाने के समीप एक रेस्टोरेंट में खाना खा रहे डॉक्टरों को खींचकर पीटा। इसके बाद डॉक्टर धरने पर बैठ गए। एमएस प्रो. विजय नाथ मिश्र, चीफ प्राक्टर प्रो. रोयाना सिंह, एडीएम सिटी विनय कुमार सिंह समेत आला अधिकारी पहुंचे और डॉक्टरों को मनाने की कोशिश की। पुलिस ने डॉक्टरों की तहरीर पर शिवजी सिंह नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया।

क्रोध कभी भी बिना कारण नहीं होता,
लेकिन कदाचित ही यह कारण सार्थक होता है
- बेंजामिन फ्रेंकलिन

हथियारबंद उग्रवादिय

विशाखापट्टनम जिले की अराकु घाटी में भाकपा (माओवादी) के हथियारबंद उग्रवादियों ने सत्तारूढ़ तेलुगू देशम पार्टी के वर्तमान विधायक किदारी सर्वेश्वर राव और पूर्व विधायक सिवेरी सोमा की हत्या करके राज्य सरकार के इस दावे की धज्जियां उड़ा दीं कि प्रदेश से माओवाद-नक्सलवाद का पूरी तरह सफाया कर दिया गया है। अराकु घाटी आदिवासी-बहुल इलाका है, और सामाजिक-आर्थिक तौर पर अत्यंत पिछड़ा और दरिद्र। माओवादियों के लिए राज्य के विरुद्ध अपना सशस्त्र संघर्ष तेज करने के लिए यहां की जमीन बहुत उर्वर, मददगार और अनुकूल है। इसलिए यह पूरा इलाका उनके प्रभाव क्षेत्र में है। हालांकि यहां पिछले करीब चार साल से शांति रही है, क्योंकि माओवादियों ने किसी बड़ी वारदात को अंजाम नहीं दिया। राज्य सरकार के लिएयह सुनहरा मौका था। उसने इस क्षेत्रके गरीब आदिवासियों की जीवन दशा सुधारने के लिए कुछ अच्छी योजनाओं की शुरुआत की। इनमें गर्भवती आदिवासी महिलाओं को उनके घरों में ही डिलीवरी कराने के लिए एक कार्यक्रम चलाया गया जिसके तहत प्रशिक्षित नर्स और दाइयां घर-घर जाया करती हैं। दरअसल, अंधविास से ग्रसित आदिवासी महिलाएं अस्पतालों और प्रसूति केंद्रों में जाना अपनी परंपरा के प्रतिकूल मानती हैं। सरकार के इस कार्यक्रम का अच्छा प्रभाव दिखने लगा और नसरे-दाइयों के उत्साहित करने से आदिवासी महिलाएं अस्पतालों और प्रसूति केंद्रों में जाने लगी हैं, जिससे जच्चा-बच्चा, दोनों की मृत्यु दर में काफी गिरावट आईहै। जाहिर है कि सरकार की इस पहल से ग्रामीणों में माओवादियों की लोकप्रियता और प्रभाव कम होने लगा था। इसलिए विकास विरोधी, मानवता विरोधी हिंसक माओवादियों ने सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक और पूर्व विधायक को अपनी बंदूकों का निशाना बनाकर यहां की शांति को भंग करके अपनी मौजूदगी दर्ज कराईहै। माओवादियों ने इस ताजा हमले के जरिए संभवत: भीमा-कारेगांव हिंसा मामले में वामपंथी रुझान वाले तेलुगू कवि और लेखक वरवर राव और अन्य मानवाधिकारवादियों को गिरफ्तार किए जाने के विरुद्ध केंद्र सरकार को कड़ा संदेश देने की भी कोशिश की है। निस्संदेह माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में केंद्र और राज्य सरकारों के सघन अभियानों का असर हुआ है। माओवादियों के हौंसले पस्त हो रहे हैं। आंध्र प्रदेश की घटना माओवादियों की बौखलाहट का नतीजा हो सकती है।

''आयुष्मान भारत'

कि पैसे की तंगी के कारण बड़ी संख्या में लोग इलाज नहीं करा पाते। समाज में इन लोगों को तमाम तरह की ग्लानि झेलनी पड़ती हैं। ऐसे में देश के 10 करोड़ परिवारों के लिए आयुष्मान योजना वरदान से कम नहीं है। मोदी सरकार की यह योजना सफल होती है तो निश्चित तौर पर यूपीए की मनरेगा पर भारी पड़ सकती है। लेकिन मौजूदा परिदृश्य में आयुष्मान की राह आसान नहीं है। इस योजना के पहले चरण में 10 करोड़ परिवार शामिल हो रहे हैं। एक परिवार को पांच लाख रुपये का बीमा दिया जा रहा है। इस राशि में सभी जांच, दवाएं, अस्पताल में भर्ती होने के पहले के खर्च और पहले से मौजूद सभी बीमारियां शामिल हैं। लाभार्थियों की संख्या के हिसाब से यकीनन यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्य बीमा योजना है, लेकिन स्वास्य सेवाओं के मौजूदा संसाधन ऊंट के मुंह में जीरा जैसे ही हैं। एक साथ इतनी बड़ी आबादी के हितों को साधना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। बड़े शहरों में सरकारी अस्पतालों में मरीजों के दबाव की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। संसाधनों के अभाव में प्राथमिक स्वास्य केंद्रों को खुद उपचार की जरूरत है। जाहिर है कि निजी अस्पतालों और चिकित्सकों की भागीदारी बिना जरूरतमंदों को आयुष्मान का आशीर्वाद मिल पाना संभव नहीं। इसीलिए सरकार इस योजना में 13000 अस्पताल जोड़ चुकी है। स्वास्य सेवाओं के नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए 2300 हेल्थ व वेलनेस सेंटर खोले गए हैं। 2022 तक ऐसे कुल 1.5 लाख सेंटर खोलने हैं। सरकार चुनावी जुमलों से इतर आयुष्मान योजना को वाकई में सफल बनाना चाहती है तो उसे सरकारी स्वास्य सेवाओं के ढांचे को मजबूत बनाना होगा।

''लोकतंत्र लाओ'

भारत की चिंता वाजिब थी क्योंकि श्रीलंका, म्यांमार, नेपाल, बांग्लादेश आदि पर चीन का आर्थिक दबाव बढ़ता जा रहा है। मालदीव की मार्फत चीन पश्चिमी भारत पर असर डाल सकता है। पूर्वोतर से पश्चिम-दक्षिण तक भारत की सीमा घिर रही है। अत: मालदीव का चुनाव सरकार की दृष्टि से भी अहम हो गया था। चीन ने यहां कुछ द्वीप खरीद भी लिये हैं। अर्थात चीन और पाकिस्तान ने सभी ओर से (समुद्र, आकाश और धरती) भारत को घेर लिया है। इसी संदर्भ में भारतमित्र का राष्ट्रपति निर्वाचित होना महत्त्वपूर्ण है। मालदीव के परिवेश में इस द्वीप समूह के भूगोल तथा इतिहास पर एक नजर डालें तो चुनाव परिणाम ज्यादा स्पष्ट होंगे। इब्राहीम के पूर्व भी एक भारतमित्र मोहम्मद नाशीद राष्ट्रपति हुए थे।

सतीश पेडणोकर

भारतमित्र इब्राहीम मोहम्मद सोली की पड़ोसी माल्दीव्स इस्लामी गणराज्य के राष्ट्रपति निर्वाचन में अभूतपूर्व विजय पाना एशियाई परिदृश्य में कई मायनों में प्रगतिशील संकेत है। वर्तमान राष्ट्रपति अब्दुल्लाह यामीन की शिकस्त बीजिंग और इस्लामाबाद को व्यथित करती है। दोनों राष्ट्रों ने अपने तरीके से चुनाव को अपने हितों के माफिक प्रभावित किया था। चुनाव प्रबंधकों के अनुसार साठ प्रतिशत वोटरों ने सत्ता के विरोध में मतदान किया। मुद्दा था तानाशाही बनाम लोकशाही क्योंकि सैकड़ों विरोधी जेल में नजरबंद कर दिए गए थे। वोटरों के उत्साह का आलम यह था कि देर रात तक बूथ के बाहर लाइनें लगी रहीं। नरेन्द्र मोदी ने गत माह अपील की थी कि वोट प्रक्रिया पक्षपातहीन रखी जाए। भारत की चिंता वाजिब थी क्योंकि श्रीलंका, म्यांमार, नेपाल, बांग्लादेश आदि पर चीन का आर्थिक दबाव बढ़ता जा रहा है। मालदीव की मार्फत चीन पश्चिमी भारत पर असर डाल सकता है। पूर्वोतर से पश्चिम-दक्षिण तक भारत की सीमा घिर रही है। अत: मालदीव का चुनाव सरकार की दृष्टि से भी अहम हो गया था। चीन ने यहां कुछ द्वीप खरीद भी लिये हैं। अर्थात चीन और पाकिस्तान ने सभी ओर से (समुद्र, आकाश और धरती) भारत को घेर लिया है। इसी संदर्भ में भारतमित्र का राष्ट्रपति निर्वाचित होना महत्त्वपूर्ण है।

मालदीव के परिवेश में इस द्वीप समूह के भूगोल तथा इतिहास पर एक नजर डालें तो चुनाव परिणाम ज्यादा स्पष्ट होंगे। इब्राहीम के पूर्व भी एक भारतमित्र मोहम्मद नाशीद राष्ट्रपति हुए थे। सलाखों के पीछे से सत्ता की चोटी तक पहुंचने वालों की मिसाल इतिहास में कई मिल जाएंगी। मगर मालदीव में श्रमजीवी पत्रकार मोहम्मद अन्नी नाशीद का राष्ट्रपति निर्वाचित होना अनोखा दृष्टांत था। एशिया के लघुतम राष्ट्र की दीर्घतम अवधि (तीन दशक) तक शासक रहे इकहत्तर वर्षीय मायूम अब्दुल गय्यूम को इकतालीस वर्षीय मोहम्मद नाशीद ने हराया था। इस प्रवालद्वीप वलय में लोकशाही का यह प्रथम प्रयोग था। मोहम्मद नाशीद ने चौवन प्रतिशत वोट पाकर जीत के दिन ही छियालीस फीसद वोट पाए अपने प्रतिद्वंद्वी गय्यूम के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में ऐलान किया कि पराजित राष्ट्रपति को राजकाज में माफिक स्थान दिया जाएगा। उनकी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रफुल्लित सदस्यों ने पार्टी की भगवा पताका लहराकर इसका खैरमकदम किया। उनसे भिन्न रहे पूर्व राष्ट्रपति गय्यूम। श्रीलंका में आरंभिक अध्ययन के बाद काहिरा के अल अजहर विविद्यालय से इस्लामी शास्त्रों का अध्ययन कर उन्होंने शरियत कानून में निपुणता पाई।

उग्रवादी मुस्लिम ब्रदरहुड संगठन के प्रणोता सैयद कुतुब से प्रभावित हुए। फिर लीबिया इस्लामी गणराज्य गए और कर्नल मुअम्मर गद्दाफी के निजामे मुस्तफा से अभिभूत हुए। कम्युनिस्ट उत्तर कोरिया जाकर तानाशाह किम इल सुंग की शासन व्यवस्था का अध्ययन किया। मालदीव लौटकर एक पार्टी शासन तंत्र रचा, जिसमें वे अकेले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होते थे और नब्बे प्रतिशत वोट पाकर चार बार चुने जाते रहे। उन्होंने मालदीव में शरियत कानून को सर्वोच्च बनाया। इस्लामी राष्ट्रों के संगठन (ओआईसी), जो कश्मीर को पाकिस्तान का भूभाग मानता है, में सक्रिय भूमिका निभाई। राष्ट्रमंडल में रहे। विश्व के इस पूर्णत: इस्लामी देश, जहां अन्य सभी आस्थाएं कानूनन वर्जित हैं, सिर्फ सुन्नी मुसलमान ही नागरिक तथा वोटर हो सकते हैं। राष्ट्र का शासकीय केंद्र भी मस्जिदे सुल्तान मोहम्मद है। इसीलिए मोहम्मद नाशीद की विजय सूफीवादी उदार इस्लाम की फतह थी। अपने चुनावी अभियान में राष्ट्रपति गय्यूम ने प्रचार भी किया था कि उन्हें अपदस्थ कर पश्चिमी देश मालदीव में ईसाइयत थोपने की फिराक में हैं। साल भर से यहां भी मुस्लिम आतंकवादी प्रगट हो गए हैं। गैर-मुस्लिम पर्यटकों पर कातिलाना हमले दर्ज हुए हैं। दक्षिण में लिट्टेवाला जाफना, उत्तर में मकबूजा मुजफ्फराबाद, पूर्वोत्तर में माओवादी नेपाल और फैज-शासित ढाका तथा तालिबान-ग्रस्त पश्चिमी पंजाब से घिरे भारत पर एक नये छोर से आतंक का साया पड़ने का अंदेशा था। अत: नाशीद के राष्ट्रपति निर्वाचित हो जाने से तब कुछ राहत मिली थी। मोहम्मद नाशीद से दक्षिण पूर्वी राष्ट्रों (सार्क) विशेषकर भारत को आशा बंध जाना स्वाभाविक था कि मालदीव लोकतांत्रिक राह पर अग्रसर होकर विकास मार्ग पर चलेगा। आशंकित मुस्लिम आतंकवाद का कार्यस्थल नहीं बनेगा। नाशीद ने पंद्रह वर्ष गुजारे हैं गय्यूम की जेल में। जेल की एकांत कोठरी में बंद कर उन पर थूका जाता था, बूट की कील से प्रहार होता था, भूखा रखा जाता था। मगर

नाशीद हिम्मत नहीं हारे। नाविक इंजीनियर की डिग्री पाकर बजाय सरकारी नौकरी के नाशीद ''लोकतंत्र लाओ' संघर्ष के सरबराह बने। श्रीलंका और ब्रिटेन में निर्वासित जीवन बिताया। प्रतिबंध की अवधि खत्म हुई तो मालदीव लौट आए। राजधानी माले के पूर्वी भाग में ऐतिहासिक चौखंभा स्मारक के बगीचे में दो दशकों से दिन-रात विरोध प्रदशर्न, धरना और गिरफ्तारी देते रहे। भारत में दफा 144 में चार से अधिक प्रदशर्नकारी साथ नहीं आ सकते, मालदीव में यह संख्या केवल तीन है। इसका नाशीद के समर्थकों ने कई बार उल्लंघन किया। आधुनिक एशिया के सर्वाधिक अवधि तक बंदी रहे लोकतंत्र के सेनानी नाशीद की तुलना लोग नेल्सन मंडेला और सीमांत गांधी खान अब्दुल गफ्फार खान से करते हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने उन्हें अंतरात्मा का कैदी कहा। विडंबना रही कि हर देश की स्वाधीनता और लोकतंत्र के सदैव समर्थक रहे भारतवासी मालदीव के बारे में खामोश ही बने रहे। भारतीय शासक शायद इसलिए चुप थे कि मालदीव का राष्ट्रपति इस्लामी कट्टरवादी अब्दुल गय्यूम था। लेकिन अपने अथक संघर्ष से स्वयं यातना झेलकर मोहम्मद नाशीद ने दिखा दिया कि तानाशाही अमानवीय होती है, अपराजेय नहीं। इस्लाम का एक उदारवादी चेहरा भी होता है। उनकी बगावत कामयाब रही। अत: वह लोकतांत्रिक क्रांति कहलाएगी क्योंकि हर सफल विद्रोह इंकलाब कहा जाता है। ऐसा ही नवनिर्वाचित इब्राहीम के साथ भी होगा।

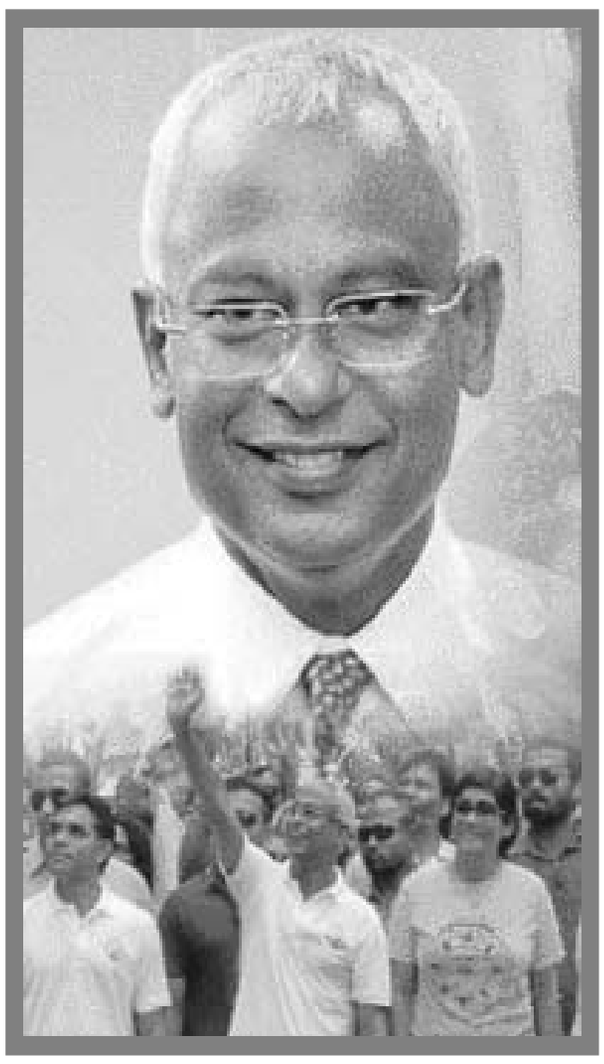

चलते चलते

प्रस्तावित मुलाकात

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने पहले साफ किया था कि सिर्फ मुलाकात होगी, बात नहीं होगी। क्या हाल है-यह भी ना पूछ सकते, सिर्फ आंखों के इशारे से कुछ बोलना अलाऊ होता। मतलब बात नहीं होनी है।

भारत सरकार ने पाकिस्तानी विदेश मंत्री से भारतीय विदेश मंत्री की प्रस्तावित मुलाकात रद्द कर दी वरना विकट कनफ्यूजन हो जाना था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने पहले साफ किया था कि सिर्फ मुलाकात होगी, बात नहीं होगी। क्या हाल है-यह भी ना पूछ सकते, सिर्फ आंखों के इशारे से कुछ बोलना अलाऊ होता। मतलब बात नहीं होनी है। वैसे पाकिस्तान पीछे से छुपकर ही काम करने का आदी है। चुपके से कसाब पाकिस्तान से आता है, और मुंबई में धमाके कर देता है। मुलाकात हो जाती है, बात नहीं होती। बातविहीन मुलाकात और कैसे हो सकती है? एक तरकीब यह भी है कि भारत की विदेश मंत्री और पाक के विदेश मंत्री एक कमरे में शांत बैठे हों, कोई बात नहीं। गदर फिल्म के सन्नी देओल के संवादों की कैसेट बजा दी जाए-हिन्दुस्तान जिंदाबाद था, जिंदाबाद है, और जिंदाबाद रहेगा। वैसे भारत-पाक की बात पिछले कई दशकों से जिस तरह से हो रही हैं, उनसे या तो आतंक निकलता है, या कामेडी। भारत-पाक बातचीत एकता कपूर के सीरियल जैसी हो गई है। बात चलती जाती है, चलती जाती है, निकलता कुछ नहीं। खैर, अब ना बात होनी है, ना मुलाकात। पाकिस्तान इस धरा-धाम पर कायदे का सार्थक प्रयोग सिर्फ दो पक्षों के लिए है एक-आतंकियों के लिए और दूसरे क्रिकेट बेचने वाले कारोबारियों के लिए। आतंकियों का ग्लोबल ठिकाना पाकिस्तान है-दाऊद इब्राहीम से लेकर ओसामा बिन लादेन तक के पते पाकिस्तान में मिलते रहे हैं। क्रिकेट बेचने वाले कारोबारियों के भारत-पाक क्रिकेट मैच बड़ा कारोबार है। मुझे लगता है कि भारत-पाक विलय का प्रस्ताव कभी सिरे चढ़ा तो इसके सबसे बड़े विरोधी क्रिकेट कारोबारी होंगे। जैसी कमाई भारत-पाक मैच में होती है, वैसी कमाई किसी मैच में ना होती।

सब कमाते हैं, दुबई वाले, मसाले वाले, कब्ज-चूरण वाले भी भारत पाक मैच में इश्तिहार देकर खूब कमाते हैं। अभी संयुक्त अरब अमीरात में एक भारत-पाक मैच में फील्ड में वॉशिंग मशीन, फ्रिज बनाने वाली कंपनी हॉयर का इश्तिहार था, यह चीन की कंपनी है। चीन में क्रिकेट नहीं खेला जाता। उसकी रुचि में क्रिकेट में नहीं है, पर क्रिकेट से कमाई में उसकी पूरी आस्था है। बेगानी शादी में अबदुल्ला हो या ना हो चीनी तो दीवाना है।

''गुरु जी'

देश की राजनीतिक निष्ठाएं एकाएक नहीं बदलतीं। उन्हें बदलने में वर्षो लग जाते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से लेकर नरेन्द्र मोदी तक पहुंची यह राजनीतिक विचार यात्रा साधारण नहीं है। इसमें इस विचार को समर्पित लाखों-लाख अनाम सहयोगियों को भुलाया तो जा सकता है किन्तु उनके अहम योगदान को कभी नकारा नहीं जा सकता। पं. दीनदयाल उपाध्याय राजनीति के लिए नहीं बने थे, उन्हें तो एक नये बने राजनीतिक दल जनसंघ में उसके प्रथम अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मांग पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर ''गुरु जी' ने राजनीति में भेजा था। भरोसा करना कठिन है कि उन जैसे साधारण कद-काठी और सामान्य से दिखने वाले मनुष्य ने भारतीय राजनीति को एक ऐसा वैकल्पिक विचार और दर्शन प्रदान किया कि जिससे प्रेरणा लेकर हजारों युवाओं की एक ऐसी मालिका तैयार हुई, जिसने 21वीं सदी के दूसरे दशक में भारतीय राजसत्ता में अपनी गहरी पैठ बना ली। उपाध्याय के परिजन उन पर दबाव बना रहे थे कि विवाह करके अपना घर बसाएं और वंश को आगे बढ़ाएं परन्तु उन्होंने तो पूरे देश को ही अपना परिवार बना लिया था। उन्होंने संघ का प्रचारक बनना स्वीकार कर लिया और 1942 में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर जिले की एक तहसील में प्रचारक के रूप में उनकी नियुक्ति हुई। संघ की परिपाटी में प्रचारक एक गृहत्यागी संन्यासी सरीखा व्यक्ति होता है, जो समाज के संगठन के लिए अलग-अलग संगठनों के माध्यम से विविध क्षेत्रों में काम करता है। वे भारत की भ्रमोत्पादक राजनीति से अप्रभावित रहते हुए निरंतर अखण्ड भारत के पक्षधर रहे। 1952 से 1967 तक के प्रत्येक घोषणापत्र में अखंड भारत का उल्लेख है। 1971 में दुर्भाग्य से उनकी अनुपस्थिति में चुनाव हुआ और घोषणापत्र में अखंड भारत को स्थान नहीं मिला। वे कहते हैं, वास्तव में भारत को अखंड करने का मार्ग युद्ध नहीं है। युद्ध से भौगोलिक एकता हो सकती है, राष्ट्रीय एकता नहीं। एक राजनीतिक विचारधारा के रूप में जब एकात्म मानवदर्शन लोकस्वीकृत विचार बन रहा है। उसे मानने वाले दल को केंद्र सहित अनेक राज्यों में सत्ता मिली है, तब यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि मीडिया और जनसंचार से जुड़े अध्येता भी यह मानें कि आखिर, इस राजनीतिक विचार का वैचारिक अधिष्ठान क्या है। इससे संचारवृत्तिज्ञों और लेखकों को निश्चय ही अध्ययन, विश्लेषण, शोध और आकलन में सुविधा होगी। भारतीय जनसंघ ने इसे पार्टी की विचारधारा बनाया और यही फिर वर्तमान की भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा बनी। साहसिक विश्वयात्रियों ने भू-पटल की परिक्रमा कर डाली थी। विज्ञानवाद, भौतिकवाद एवं मानववाद ने ईर की रहस्यमय सत्ता को एक चुनौती दे दी थी। रहस्यात्मकता के स्थान ने चोट की, श्रद्धामूलक आस्थाओं को तर्क ने हिला दिया था तथा भगवत्कृपा के स्थान पर विवेक का भरोसा हो चला था। ''थियोक्रेसी' को चुनौती देते हुए सेक्युलरिज्म, लोकतंत्रात्मक व्यक्तिवाद व समाजवाद की धारणाएं प्रबल हो गई थीं। यूरोप का कायापलट हो गया था। पश्चिम का ज्ञान-विज्ञान पश्चिम के साम्राज्यवाद के माध्यम से ही एशिया और अफ्रीका के महाद्वीपों में पहुंचा। पश्चिम के संपर्क में इन समाजों की चिंतन धारा निर्णायक रूप से प्रभावित हुई; लेकिन एशियाई राष्ट्रवादी मानस पश्चिमी साम्राज्यवाद के साथ-साथ पश्चिमी ज्ञान की प्रभुता को भी स्वीकार करना अपने स्वाभिमान पर चोट समझता था। अत: उसने पश्चिम के ज्ञान को नकारा। दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राष्ट्रवाद की इसी धारा की उपज थे। इसे संयोग ही कह सकते हैं कि डॉ. मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय, दोनों की मृत्यु सहज नहीं रही। उनकी मृत्यु आज भी रहस्य है।

सत्संग

पुलक और आनंद

गवान कोई व्यक्ति नहीं जिसको भक्त जैसी पुलक और आनंद का अनुभव हो सके। भगवान तो पूरा ही अस्तित्व है। लेकिन भगवान कोई व्यक्ति नहीं है, वहां कोई व्यक्ति के भीतर छिपा हुआ हृदय नहीं है। इसलिए जैसा अनुभव भक्त को होगा, वैसा कोई अनुभव करने वाला भगवान में नहीं है। वह तो परम शून्यता है। सारा अस्तित्व उसका हृदय है। सारा अस्तित्व एक सिहरन से, एक आनंद की मधुर घड़ी से भर जाएगा। इसे भक्त ही जान पाएगा; तुम न पहचान पाओगे। तुम्हें भक्त का आनंद तो दिखाई पड़ेगा, क्योंकि भक्त तुम्हारे जैसा ही व्यक्ति है। उसके हृदय में कुछ घटेगा; आंसू बहेंगे, तो तुम आंसुओं को पहचान सकते हो। वह नाचने लगेगा, तो तुम नाच को समझ सकते हो। उसके चेहरे पर अहोभाव की छाया पड़ेगी, तो पूरा न समझ सको, तो भी थोड़ा तो समझ ही लोगे। लेकिन परमात्मा में जो पुलक घट रही है, वह तुम न देख पाओगे; न समझ पाओगे। इसलिए तो बहुत-सी कथाएं हैं, जो कथाएं जैसी मालूम होने लगी हैं; वे सत्य घटनाएं हैं, कि बुद्ध को परम ज्ञान हुआ और वृक्षों में फूल खिल गए, बिना ऋतु के। ये फूल दूसरों ने देखे हों, यह संदिग्ध है। ये फूल बुद्ध ने ही देखे होंगे। ये फूल साधारण फूल न थे। ये तो वृक्ष के अंतर्भाव के फूल थे। इन्हें तुम बाजार में न बेच सकते थे, इन्हें तुम तोड़ भी न सकते थे, इन्हें तुम देख भी न सकते थे। ये तो अदृश्य के फूल थे, जो बुद्ध को दिखाई पड़े होंगे। कहते हैं, मोहम्मद को जब ज्ञान हुआ, तो रेगिस्तान की तपती दुपहरियों में बादल उन्हें छाया देने लगे। मगर ये बादल किसी और को दिखाई न पड़े होंगे। ये बादल जो छतरियां बन गए और मोहम्मद के ऊपर मंडराने लगे, यह मोहम्मद ने ही खबर की होगी औरों को।

तुम्हारी आंखें इतनी सूक्ष्म घटना को न देख पाएंगी। वस्तुत: कोई बादल बने भी, यह भी जरूरी नहीं है। तपती दुपहरी में भी सूरज जलाता नहीं, भयंकर रेगिस्तान में भी कंठ में प्यास नहीं जगती, ऐसी शीतलता मोहम्मद को मिलने लगी। एक संवाद शुरू हो गया अस्तित्व के साथ। निश्चित ही, जब तुम प्यार से भरोगे अस्तित्व के प्रति, तो अस्तित्व भी अपने प्यार को तुम्हारी तरफलुटाका। उसमें कोई संवेदना नहीं है। हंसो, तो पत्थर हंसेगा नहीं। पत्थर से कोई प्रत्युत्तर न मिलेगा। यही तो मतलब है पत्थर होने का।

फोटोग्राफी...

इस्तांबुल (तुर्की) : टेक्नाफेस्ट ऐवियेशन, स्पेस एंड टेक्नोलॉजी मेले के मौके पर 'टर्किश स्टार्स एफ-5 फाइटर्स प्लेन' के हैरतअंगेज करतब देख खुशी में झूमता जनसमुदाय।

सार समाचार

ब्रिटेन: इतिहास रचने वाले चरणप्रीत सिंह को सेना से निकाला जा सकता है, जानें पूरा मामला

एजेंसी,लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के जन्मदिन समारोह के अवसर पर एक वार्षिक परेड के दौरान पगड़ी पहनने वाले पहले व्यक्ति होने का इतिहास बनाने वाले 22 वर्षीय सिख सैनिक के परीक्षण में कोकीन होने की पुष्टि के बाद उन्हें पद से हटाया जा सकता है। जून के महीने में 'ट्रूपिंग द कलर' के दौरान पगड़ी पहनने के कारण चरणप्रीत सिंह लाल पूरी दुनिया में सुर्खियों में रहे थे। मुताबिक द सन ने खबर दी है कि पिछले सप्ताह वह अपनी बैरक में औचक ड्रग परीक्षण के दौरान मादक पदार्थ की जांच में असफल रहे। आंतरिक सूत्रों ने दावा किया कि उन्होंने बड़ी मात्रा में कोकीन ली थी। एक स्रोत के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है, ''सिपाही लाल बैरकों में इस बारे में खुल कर चर्चा करते थे। सुरक्षा गार्ड महल में सार्वजनिक ड्यूटी पर तैनात होते हैं। यह अपमानजनक व्यवहार है। रिपोर्ट में बताया गया है, ''यह उनके कमांडिंग अधिकारी पर निर्भर करता है कि वह उन्हें बाहर करते हैं या नहीं। हालांकि अगर कोई भी क्लास ए का मादक पदार्थ सेवन करता हुआ पाया जाता है तो उसे बर्खास्त किये जाने की संभावना रहती है। रिपोर्ट के मुताबिक, ''हर कोई अचंभित है। वह किसी तरह सुर्खियों में आ गये थे और अब शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। लाल उन तीन सैनिकों में शामिल हैं जो विंडसर के विक्टोरिया बैरक में परीक्षण के दौरान असफल रहे। लाल का जन्म पंजाब में हुआ था। उनके माता-पिता उन्हें बचपन में ही लेकर ब्रिटेन चले गये थे। बाद में वह जनवरी 2016 में ब्रिटिश सेना में शामिल हुए थे।

भारत-पाक के बीच 37 अरब डॉलर के करोबार की संभावना: वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के रिश्ते अगर सामान्य होते हैं, तो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 37 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचाया जा सकता है। यह अनुमान विश्वबैंक ने 'ए ग्लास हॉफ फुल: द प्रॉमिस ऑफरीजल ट्रेड इन साउथ एशिया' शीर्षक से सोमवार को जारी रिपोर्ट में लगाया है। विश्व बैंक ने कहा, दोनों पड़ोसियों के बीच राजनीतिक तनाव होने और व्यापार संबंध सामान्य नहीं होने की वजह से दक्षिण एशिया में दोनों के बीच सहयोग के रास्ते में अड़चनें हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि द्विपक्षीय व्यापार में प्रमुख बाधा प्रतिबंधित उत्पादों की वह सूची है, जो बहुत लंबी है। भारत और पाकिस्तान दोनों ने इसके अलावा संवेदनशील उत्पादों की ऐसी सूची रखी है, जिनमें शुल्क में किसी तरह की रियायत नहीं दी जाती।

केवल 138 उत्पादों का पाक की इजाजत

पाकिस्तान ने भारत से केवल 138 उत्पादों को वाघा सीमा से आयात की इजाजत दी है। दोनों देशों का मौजूदा कारोबार केवल दो अरब डॉलर का है। जबकि अधिकतर व्यापार संयुक्त अरब अमीरात अथवा तीसरे देश के रास्ते होता है, जिससे लागत बढ़ जाती है।

पाक की काली सूची लंबी

पाकिस्तान ने प्रतिबंधित उत्पादों की सूची (काली सूची) में कुल 936 उत्पादों को रखा है। यह दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) के सभी देशों के आयातित विभिन्न प्रकार के उत्पादों की सूची का 17.9% है। इसके उलट भारत ने केवल 25 प्रकार के (0.5 प्रतिशत)उत्पाद को इस सूची में रखा है। इनमें भी शराब और हथियार प्रमुख हैं।

भारत के साथ सौतेला व्यवहार

भारत ने 1996 में ही पाकिस्तान को सबसे अधिक वरीयता वाले देश की मान्यता दे थी। इसके साथ ही पाकिस्तान ने 1209 उत्पादों की नकारात्मक सूची बनाई है, जिन्हें भारत से आयात नहीं किया जा सकता है।

नई दिल्ली के लिए आपार संभावनाएं

- 62 अरब डॉलर के स्तर पर भारत पड़ोसी देशों के साथ कारोबार को पहुंचा सकता है। 19 अरब डॉलर का कारोबार ही भारत सार्क देशों के साथ फिलहाल कर रहा है।

बाधाएं भी कई

- 13.6 फीसदी औसत शुल्क उत्पादों पर लगता, जबकि वैश्विक स्तर पर यह 6.3 फीसदी
- 39 फीसदी भारतीय मूल्य संवर्धित उत्पाद पड़ोसी देशों की संवेदनशील सूची में शामिल
- परिवहन, सीमा शुल्क आदि में अन्य मुक्त व्यापार क्षेत्रों के मुकाबले साफ्टा में अधिक

मध्य शरद महोत्सव

न्यूयार्क : मध्य शरद महोत्सव के दौरान मैनहटन के चारों ओर बोट टूर का आनंद लेते दर्शक।

प्राचीनकाल में मंगल ग्रह पर संभवत: भूमिगत जीवन रहा होगा

नई दिल्ली। प्राचीनकाल में मंगल ग्रह पर ऐसे महत्वपूर्ण घटक बहुतायत में थे जिनकी मदद से सूक्ष्म जीव यहां की सतह के नीचे लाखों वर्षों तक जीवित रह सकते थे। धरती पर सतह के नीचे रहने वाले सूक्ष्म जीवों तक सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती है इसलिए वह आस-पास के वातावरण के अणुओं से अति सूक्ष्म परमाणु (इलेक्ट्रॉन) को अलग करके उनसे ऊर्जा प्राप्त करते हैं। अपघटित आणविक हाइड्रोजन काफी संख्या में इलेक्ट्रॉन देता है। अमेरिका में ब्राउन यूनिवर्सिटी में स्नातक के छात्र जेसे तारनस ने कहा कि भौतिकी और रसायन शास्त्र की मूलभूत गणना बताती है कि प्राचीनकाल में मंगल की उपसतह पर पर्याप्त अपघटित हाइड्रोजन रहे हों जिससे वैश्विक उप-सतह जीवमंडल को ऊर्जा मिलती हो। यह शोध 'अर्थ ऐंड प्लेनेटरी साइंस लैटर्स में प्रकाशित हुआ है। शोध के मुताबिक, जल अणुओं को उसके घटक हाइड्रोजन तथा ऑक्सीजन में विभाजित करने वाली प्रक्रिया रेडियोलिसिस के जरिए मंगल की उप सतह पर पर्याप्त मात्रा में हाइड्रोजन पैदा हुई होगी। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि चार अरब वर्ष पहले सतह पर हाइड्रोजन की मात्रा इतनी अधिक थी जो सूक्ष्म जीवों के जीवित रहने के लिए पर्याप्त थी। उन्होंने कहा कि यहां की परिस्थितियां धरती पर उन स्थानों जैसी ही होंगी जहां पर भूमिगत जीवन है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि प्राचीन काल में मंगल पर जीवन था, लेकिन अगर था तो वहां की परिस्थितियां उसके अनुकूल थीं।

मौत को मात : समुद्र में 49 दिन नाव की लकड़ियों और खारे पानी के सहारे रहा जिंदा

जकार्ता, एजेंसियां। क्या भूख, प्यास, ठंड, डर, अकेलेपन के एहसास के बीच डेढ़ से दो महीने तक समुद्र की बाहों में जिंदा रहना मुमकिन है? आप सोच रहे होंगे कि ऐसा सिर्फ 'लाइफ ऑफ पाई' जैसी फिल्मों में होता है, लेकिन जनाब जुलाई के मध्य में गुआम के समुद्र में फंसे इंडोनेशिया के 19 वर्षीय अल्दी अदिलांग हकीकत में मछलियों व समुद्री खारे पानी की खुराक पर लगातार 49 दिनों तक मौत को मात देने में सफल रहे हैं। ठंड से बचने को नाव की लकड़ियों का सहारा लिया।

समुद्र के बीचोंबीच तैनाती

अल्दी जकार्ता की मत्स्य पालक कंपनी में नौकरी करते थे। उन्हें मछली पकड़ने की विशालकाय जाल से लैस एक झोपड़ीनुमा नाव पर तैनाती मिली थी। यह नाव सुलावेसी तट से 125 किलोमीटर दूर समुद्र में छोड़ी गई थी। हालांकि इसकी डोर तट से बंधी हुई थी। अल्दी रात में नाव पर लैंप जलाकर रखते थे, ताकि मछलियां रोशनी से आकर्षिक होकर जाल में फंस जाएं। उन्हें एक वॉकी-टॉकी दिया गया था, जिससे वह जाल भरने की सूचना कंपनी के अधिकारियों को देते थे। इसके बाद एक नाव जाल में जुटी मछली लेने के लिए अल्दी के पास पहुंचती थी।

तूफान में टूटी नाव की डोर

14 जुलाई को सुलावेसी में आए जबरदस्त तूफान में अल्दी की नाव की डोर तट पर लगे बांध से टूट गई। देखते-देखते यह तेज हवाओं के साथ बहकर हजारों मील दूर गुआम जलक्षेत्र में पहुंच गई। 'जकार्ता पोस्ट' के मुताबिक अल्दी की नाव एक 'रोमपोंग' थी, जिसमें न तो पेडल थे, न ही इंजन, जिससे वह खुद तट पर पहुंच सकें। ऐसे में उनके पास किसी जहाज के करीब से गुजरने का इंतजार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। बीच समुद्र में वह न सिर्फ डर, अकेलेपन के एहसास, बल्कि खाने-पीने के संकट से भी जूझने को मजबूर थे। एक हफ्ते में जनरेटर का डीजल भी सूख गया था।

वो 49 दिन...

- ठंड से बचने को नाव की लकड़ी काट-काटकर जलाई
- जाल में फंसने वाली मछली को आग में भूनकर खाते थे
- समुद्र का खारा पानी टीशर्ट से छानकर पीते थे, ताकि शरीर में नमक की अधिकता न हो

मुझे लगता था कि मैं कभी अपने परिवार के पास नहीं लौट पाऊंगा। एक बार तो मन में खुदकुशी का ख्याल भी आया। मैंने पानी में डूबकर मरने की ठान भी ली थी, पर तभी मुझे मां की सीख याद आई। वह अक्सर कहती थी कि ईश्वर को याद करने और हौसला बनाए रखने से हर बाधा दूर हो जाती है। मैं बाइबिल की प्रति हाथ में लिए यही दुआ करता कि किसी जहाज की नजर मुझ पर पड़ जाए। -अल्दी नोवेल अदिलांग

पनामाई जहाज बना मसीहा

31 अगस्त को गुआम तट से गुजर रहा पनामाई जहाज 'अरपेगियो' आल्दी के लिए मसीहा बनकर पहुंचा

10 जहाज 'अरपेगियो' से पहले वहां से निकले थे, पर किसी की भी नजर आल्दी की नाव पर नहीं पड़ी

सूझबूझ रंग लाई

- हवा में हाथ हिलाने और टी-शर्ट लहराने के बावजूद 'अरपेगियो' पर सवार नौसैनिकों की नजर अल्दी पर नहीं पड़ी
- इसके बाद अल्दी ने अपने रेडियो को उस फ्रीक्वेंसी पर डाला, जिसकी जानकारी एक नौसैनिक दोस्त ने उन्हें दी थी
- नाव से जारी सिग्नल जल्द ही 'अरपेगियो' के कैप्टन तक पहुंच गए, उन्होंने जहाज पीछे मोड़ा तो अल्दी दिखाई दिए
- हालांकि समुद्र की लहरें काफी तेज थीं, इसलिए अल्दी को बचाने के लिए 'अरपेगियो' को उनकी नाव तक ले जाना असंभव था
- 4 बार नाव के चक्कर लगाने के बाद कैप्टन ने एक मोटी रस्सी अल्दी के पास फेंकी, इसके सहारे अल्दी तैरते हुए जहाज पर पहुंचे
- 6 सितंबर तक जहाज पर खाने-पानी व अन्य पोषक तत्वों की जरूरी खुराक दी गई, 8 सितंबर को टोक्यो से जकार्ता की उड़ान भरी

मालदीव में सत्ता परिवर्तन भारत के लिए बेहतर, फिर से सुधरेंगे संबंध

नई दिल्ली। हिंद महासागर में स्थित छोटे से द्वीप समूह मालदीव में संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार मोहम्मद सोलिह की जीत भारत के लिए कूटनीतिक रूप से सकारात्मक मानी जा रही है। पूर्व विदेश सचिव शशांक का कहना है कि भारत को इस जीत के बाद अपने पुराने मित्र देश से नए सिरे से संबंध सुधारने का मौका नजर आ रहा है। चीन समर्थक वर्तमान राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन की हार को भारत समर्थक ताकतों की जीत के रूप में भी देखा जा रहा है। जिस तरह से यामीन ने सभी प्रमुख राजनीतिक विरोधियों को जेल में डालकर अपना वर्चस्व स्थापित करने का प्रयास किया था। उससे मालदीव में निष्पक्ष चुनाव को लेकर आशंका जाहिर की जा रही थी। जानकारों के मुताबिक, दुनिया भर के पर्यवेक्षकों की निगरानी और जनाक्रोश के चलते गड़बड़ी नही हो पाई। भारत ने मालदीव में अपने पर्यवेक्षक सरकारी तौर पर नही भेजे थे लेकिन चुनाव पर निगाह लगातार बनी हुई थी। गौरतलब है कि अब्दुल्ला यामीन चीन के मकड़जाल वाले निवेश में उलझ चुके थे।

मोदी ने मालदीव के भावी राष्ट्रपति को बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज करने पर इब्राहीम मोहम्मद सोलिह को बधाई दी।

नीदरलैंड में 'गांधी मार्च' का आयोजन करेगा भारत

द हेग, एजेंसी। भारत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के दो साल लम्बे समारोह की शुरूआत करने के लिए रविवार को नीदरलैंड में 'गांधी मार्च का आयोजन करेगा। न्यूज एजेंसी भाषा के अनुसार, भारतीय दूतावास द्वारा सोमवार को यहां जारी एक बयान के अनुसार 'गांधी मार्च हेग में ऐतिहासिक पीस पैलेस से ग्रोटे कर्क तक आयोजित किया जायेगा। बयान के अनुसार 'गांधी मार्च में सभी देशों के लोग और विभिन्न देशों के लगभग 20 राजदूतों की भागीदारी देखने को मिलेगी। आध्यात्मिक गुरु 'श्री एम, नीदरलैंड में भारत के राजदूत वेणु राजमणि, द हेग के डिप्टी मेयर और अमेरिका, इंडोनेशिया तथा अफगानिस्तान के राजदूत मार्च में शामिल होने वाले लोगों को संबोधित करेंगे। मार्च अहिंसा के संदेश पर प्रकाश डालने वाले बहुराष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न होगा। दो अक्तूबर को गांधी जयंती के मौके पर द हेग, एम्सटर्डम, उट्रेच और जोइटिरमीर में पांच अन्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। नीदरलैंड का भारत और महात्मा गांधी से एक विशेष संबंध रहा है। नीदरलैंड में लगभग 30 सड़कें महात्मा गांधी के नाम से हैं और शायद भारत के बाहर दुनिया में किसी स्थान पर यह सबसे ज्यादा है।

उत्तर कोरिया के साथ जल्द होगी दूसरी बार वार्ता - डोनाल्ड ट्रंप

ब्रिजवाटर (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ जल्द ही दूसरी बार बैठक होने की उम्मीद है। न्यूज एजेंसी भाषा के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि उस देश के साथ संबंधों में बहुत सुधार हुआ है जिसके नेता को पिछले साल उन्होंने ''नन्हा रॉकेट मैन कहा था। उन्होंने सोमवार को कहा, ''वह दूसरी दुनिया थी। वह खतरनाक वक्त था। एक साल बाद बहुत अलग समय है। ट्रंप ने कहा कि विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ दूसरी ट्रंप-किम वार्ता के लिए काम कर रहे हैं। किम ने एक पत्र में ट्रंप के साथ इस महीने दूसरी बैठक के लिए अनुरोध किया था। ट्रम्प ने कहा, ''हम वह करेंगे। ट्रंप उत्तर कोरिया से संबंधित मुद्दे और व्यापार के बारे में वार्ता के लिए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे इन से भी मिलने वाले हैं।

दुनिया की चौथी और अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी किलिमंजारो को फतह करने वाला भारत व इस्रायल का पर्वतारोही दल। इस दल के सदस्यों की आंख की रोशनी नहीं है।

राहत आईएनएस सतपुड़ा और ऑस्ट्रेलियाई नौसैनिक दल संयुक्त ऑपरेशन को मिली सफलता

अभिषेक को तूफान से सुरक्षित निकाला

कोच्चि ■ एजेंसी

गोल्डन ग्लोब रेस में हिस्सा ले रहे भारतीय नौसेना के अधिकारी और भारतीय प्रतिनिधि कमांडर अभिलाष टोमी को राहत दल जैमिनी ने सुरक्षित निकाल लिया गया है। रेस में हिस्सा लेने के दौरान अभिलाष दक्षिणी हिंद महासागर के समीप बीच रास्ते में तूफान के चलते घायल हो गए थे। टामी सचेत हालत में है और ओरेंज स्ट्रेचर के जरिए उन्हें निकाला गया है। फिशिंग नौका टामी को लेकर एम्सटर्डम आइसले की तरफ बढ़ रही है और कुछ घंटों में इसके यहां पहुंचने की उम्मीद है। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया जाएगा अभिलाष को सुरक्षित निकालने भारतीय नौसेना के आईएनएस सतपुड़ा और ऑस्ट्रेलियाई नौसैनिक दल ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया था।

अभिलाष साहसिक खेलों में करेगा वापसी : एकल नौका दौड़ के दौरान तूफान की चपेट में आ जाने से हिंद महासागर में फंसे केरल के नौसेना अधिकारी अभिलाष टॉमी को बचा लिये जाने पर उनका परिवार तीन दिन के तनाव के बाद खुशी महसूस कर रहा है और उनके पिता ने कहा कि उनका बेटा अपने जज्बे से साहसिक खेलों में वापसी करेगा। खुद ही नौसेना कर्मी रहे वी सी टॉमी ने बेटे को बचा लिए जाने पर कोच्चि के समीप कहा कि ईश्वर से प्रार्थना कीजिए। मैं बहुत खुश हूं।

समुद्री सुरक्षा में मछुआरों को भी सहयोगी बनाए तटरक्षक बल

रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने समुद्री सुरक्षा में तटरक्षक बल की भूमिका की सराहना करते हुए इसे और पुख्ता बनाने के लिए मछुआरों को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस बनाने की योजना पर विचार करने को कहा। रक्षा मंत्री ने तटरक्षक बल कमांडरों के 37 वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मछुआरा समुदाय को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों से लैस करने के तौर तरीकों पर विचार और चर्चा की जानी चाहिए जिससे कि समुद्री सुरक्षा को और मजबूत बनाया जा सके। तटरक्षक बल तटीय सुरक्षा नेटवर्क के पहले चरण के तहत समुद्र में कड़ी निगरानी कर रहा है और सरकार इसके दूसरे चरण को भी निर्धारित समय में पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। बल ने चक्रवाती तूफानों और बाढ जैसी आपदाओं विशेष रूप से केरल बाढ़ में बचाव अभियानों में सराहनीय भूमिका निभायी है। बल बदलती चुनौतियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है और दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

मालदीव में नई सरकार गठन बाद हेलीकॉप्टर वापसी पर फैसला

नई दिल्ली। मालदीव को तोहफे में दिए गए दो हेलीकॉप्टर को वापस लेने के मामले में रक्षा मंत्रालय अब नई सरकार के रुख का इंतजार करेगा। दरअसल, यामीन सरकार के दबाव के बावजूद भारत ने इन्हें वापस लेने में अब तक टालमटोल की थी। भारत की तरफ से कोशिश यह की जा रही थी कि इस बाबत हुए समझौते का नवीनीकरण कर लिया जाए। लेकिन चीन के हाथों खेल रहे यामीन इसके लिए तैयार नहीं थे। लेकिन अब सत्ता परिवर्तन से इस मामले की तस्वीर बदलने की उम्मीद है। बता दें कि भारत ने मालदीव को दो ध्रुव हेलीकॉप्टर तोहफे में दिए थे।

दोनों हेलीकाप्टरों के साथ नौसेना की टीमें भी हैं जिनमें करीब 40 कार्मिक शामिल हैं। ये टीमें हेलीकॉप्टरों का संचालन करती हैं तथा स्थानीय सेनाओं को प्रशिक्षण भी देती हैं। इन्हें लेटर ऑफ एक्सजेंच (एलओई) के तहत दिया गया था। प्रत्येक दो साल में इसका नवीनीकरण करना होता है। किन्तु मालदीव कुछ अरसा पूर्व इनके नवीनीकरण से इनकार कर दिया है। एक हेलीकॉप्टर 2010 में तथा दूसरा 2016 में दिया गया था। इन्हें माले के निकट महत्वपूर्ण स्थानों अड्डू एवं लामू में तैनात हैं। माना जा रहा है कि चीन के दबाव में मालदीव ने यह कदम उठाया है।

एलओई के नवीनीकरण होने की उम्मीद

रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, बीच में चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद इस मुद्दे पर बातचीत की प्रक्रिया भी रुक गई थी। लेकिन अब चूकि वहां सत्ता परिवर्तन हो चुका है और नई सरकार का रुख भारत के प्रति मित्रतापूर्व होने की संभावना है। इसलिए उम्मीद बढ़ रही है कि एलओई का नवीनीकरण कर दिया जाएगा।

सूरत। सचिन में आयुष्मान भारत (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) का हुआ लोकापर्ण। सचिन की समर्पण होस्पीटल में आरोग्य और परिवार कल्याण विभाग गुजरात सरकार ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का उद्घाटन सासंद सी.आर.पाटील, धारासभ्य जंखना बेन पटेल, सूरत भाजपा संगठन प्रमुख दिलिप सिंह राठौड़ , जिला पंचायत उप प्रमुख हितेन्द्र सिंह वासिया,सूरत भाजपा महामंत्री संदीप देसाई सचिन नगर पालिका प्रमुख मनोज सिह सोलंकी तथा कनकपुर प्रमुख रक्षाबेन पटेल सहित शहर के कई गणमान्य उपस्थित रहे।

सूरत। सोमवार सुबह से मीठी खाडी (लिंबायत) में फसी गाय को नगर पालिका निकालने में नाकामयाब रहि जिसके बाद शाम तक गाय पानी में तड़पती रही।

विश्व हिन्दु परिषद गौ रक्षा आंदोलन समिति के गुजरात प्रान्त संयोजक नरेन्द्र चौधरी को पता चलने पर वह मौके पर पहुंचे। जिसके बाद उन्होंने नगर पालिका के अधिकारियों को फोन किया और उनके साथ तु.तु.मै.मै भी हुई जिसके बाद नगर पालिका के अधिकारियों ने क्रेन भेज दि जिसकी सहायता से गाय को खाड़ी से बाहर निकाला गया।

साबरमती जेल में एक कैदी का दूसरे कैदी पर घातक हमला

अहमदाबाद। साबरमती सेन्ट्रल जेल में एक कैदी ने दूसरे कैदी पर हमला किए होने की फिर एकबार घटना सामने आने पर जेल परिसर में विशेष करके जैल के कैदियों में सनसनी मच गई। दूसरी तरफ घायल कैदी को उपचार के लिए सीविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कैदी ने किसलिए अन्य कैदी पर हमला किया यह अभी तक सामने नहीं आया है। हालांकि राणिप पुलिस ने हमले करनेवाले कैदी के विरूद्ध अपराध दर्ज करके पूरे मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है। एक कैदी को चोटें आयी होने से जेल अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया है।

सूरत। श्री खेतेश्वर पैदल यात्रा संघ द्वारा 33 वी मासिक पुंर्णिमा पैदल यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें आज की 33वी यात्रा के लाभार्थी श्री गोपालसिंह सोवनिया श्री प्रदीप सिंह चाड़वास का यात्रा संघ की और से सम्मान किया गया और संघ के सहयोजक महेंद्रसिंह राजपुरोहित द्वारा आगामी शारदीय नवरात्र में श्री पथमेड़ा गौ धाम के तत्वाधान के तहत सूरत में होने वाले सुरभि शक्ति आराधना महोत्सव में ज्यादा से ज्यादा संख्या में जुड़ने का आह्वान किया गया अंत में यात्रा में पधारे सभी भक्तो का आभार व्यक्त किया गया।

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के द्वारा

एप्रेन्टीसशीप योजना के तहत युवाओं को पत्रों का वितरण

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने घोषणा की है कि, गुजरात में उद्योगों या सर्विस सेक्टर में उद्योग आएंगे उनको ८० फीसदी गुजरातियों को रोजगार देना तथा जिस क्षेत्र में स्थापित हो वहां के २५ फीसदी स्थानीय लोगों को शामिल करने की जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी यह राज्य सरकार ने युवा रोजगार निर्णय लिया है। सरकार आगामी दिनों में इसे कानून का रूप देने की दिशा में आगे बढ़ रही है यह भी उन्होंने बताया है। विजय रुपाणी ने अहमदाबाद में मुख्यमंत्री एप्रेन्टीसशीप योजना के तहत ८५०० युवाओं को करार पत्रों का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री मेइक इन इंडिया, स्कील इंडिया, डीजिटल इंडिया जैसे संकल्प लिए है इसे साकार करने के लिए गुजरात में मार्च २०१९ पहले १ लाख युवाओं को मुख्यमंत्री एप्रेन्टीसशीप योजना में कुशल बनाने हैं। इसके द्वारा युवाओं को नया मौका देना है। गुजरात पूरे देश में एप्रेन्टीसशीप एक्ट के तहत दी जाती तालीम के २६ फीसदी प्रशिक्षार्थी के साथ आगे है इसकी जानकारी दी है। गुजरात में नरेन्द्र मोदी ने शुरू की वाइब्रेंट समिट की वजह से बड़े पैमाने पर उद्योग आये है और युवाओं को रोजगार मौका मिला है इसका उल्लेख करते हुए विजय रुपाणी ने बताया है कि, गुजरात फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेन्ट में आगे है।

खादी वस्त्र नहीं, विचार है: मुख्यमंत्री

सौराष्ट्र रचनात्मक समिति के नवीनीकृत च्खादी सरिताज्का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने मंगलवार को अहमदाबाद में सौराष्ट्र रचनात्मक समिति की ओर से संचालित नवीनीकरण किए गए खादी सरिता का उद्घाटन करते हुए कहा कि खादी वस्त्र नहीं, बल्कि एक विचार है। उन्होंने कहा कि खादी लाखों परिवारों में रोजगार सृजन का जरिया बनी है। च्खादी फॉर नेक्स्ट जनरेशन-खादी फॉर अवर नेशन का मंत्र देते हुए उन्होंने कहा कि इस वर्ष 2 अक्टूबर से राष्ट्र गांधी जी की 150वीं जयंती मनाने जा रहा है, ऐसे में गांधी और खादी को अलग किया ही नहीं जा सकता। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि गांधी विचार और गांधी जी के जीवन-मूल्य आज के दौर में भी उतने ही प्रासंगिक हैं। गांधी जी आज भी जीवंत हैं।

विजय रूपाणी ने आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के सुयोग का जिक्र करते हुए कहा कि गांधी, लोहिया और दीनदयाल जी, तीनों के विचार पूंजीवाद व साम्राज्यवाद

आधुनिक सुविधायुक्त रिवरफ्रन्ट हाउस मुख्यमंत्री द्वारा आम जनता को समर्पित किया गया। ५० करोड़ के खर्च से पांच मंजिल का भवन तैयार किया गया है।

के बीच पिस रही दुनिया के लिए आज गांधी विचार, समाजवाद और एकात्म मानववाद के जरिए उपयुक्त बने हैं। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने ट्रस्टीशिप की भावना, अपरिग्रह, ग्रामोत्थान और सभी सुखी तो हम सुखी के भाव के साथ दरिद्रनारायण की सेवा एवं रचनात्मक गतिविधियों से भविष्य के भारत की संकल्पना विकसित की थी। गांधी विचार को वैश्वीकरण के दौर में भी स्वदेशी की बात के साथ खादी ने जोड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी गांधी जयंती से पूर्व राज्य सरकार खादी के लिए सूत कातने वाले और खादी खरीदने वालों के लिए प्रोत्साहक योजना शुरू करेगी। समिति के अध्यक्ष देवेंद्रभाई देसाई ने कहा कि खादी को और उसके जरिए गरीब व ग्रामीण परिवारों को रोजगार एवं रचनात्मक मार्ग पर ले जाने की महात्मा गांधी की विचारधारा के अनुरूप सौराष्ट्र रचनात्मक समिति के कार्यों का विवरण दिया। गांधी जी की सीख का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि स्वदेशी, स्वावलंबन और स्वरोजगार के लिए खादी से बेहतर दूसरा कोई विकल्प नहीं हो सकता। देसाई ने खादी खरीदने और उसका दायरा बढ़ाने का भी अनुरोध किया। कुटीर उद्योग मंत्री जयेशभाई रादड़िया, गुजरात खादी बोर्ड के अध्यक्ष कुशलसिंह पढेरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष तथा सौराष्ट्र रचनात्मक समिति के पदाधिकारियों, आमंत्रितों सहित गांधी एवं खादी प्रेमी इस अवसर पर उपस्थित थे।

लाखों भक्त माता अंबे के चरणों में सिर झुकाया

अंबाजी भादरवी पूर्णिमा का महामेला संपन्न हुआ

पालनपुर। प्रसिद्ध तीर्थयात्रा अंबाजी में १९ से २५ सितम्बर तक आयोजित हुए अंबाजी भादरवी पूर्णिमा का मेला संपन्न हुआ है। मेले के अवसर पर लाखों भक्तों ने माता के दर्शन करके धन्य हो गये। मंदिर सूत्रों के बताये अनुसार २६ लाख से ज्यादा भक्तों ने माता के दर्शन किए हैं। २२ लाख से ज्यादा प्रसाद के पैकेट का वितरण हुआ है। ३ लाख से ज्यादा माता के भक्तों ने भोजन प्रसाद का लाभ लिया है। ६७७३ ध्वजा चढ़ाई गई है। १६०० एसटी. बसों द्वारा ११००० से ज्यादा ट्रीप करके ६ लाख यात्रियों को परिवहन की सुविधा उपलब्ध करायी है। पूर्णिमा के दिन २५ सितम्बर को मेले के समापन अवसर पर अंबाजी में केन्द्रीय मंत्री हरिभाई चौधरी की अध्यक्षता में समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें केन्द्रीय मंत्री और कई महानुभाव द्वारा सेवाकैम्पों के आयोजकों, संचालकों का सम्मान किया गया। प्रासंगिक भाषण करते हुए केन्द्रीय मंत्री हरिभाई चौधरी ने बताया है कि, अंबाजी तीर्थस्थान करोड़ों लोगों की भक्ति और आस्था का पवित्र केन्द्र स्थान है। उन्होंने कहा है कि, लोगों को माता पर भक्तिभाव और श्रद्धा होने से लोग दूर -दूर से चलकर अंबाजी आते है। उन्होंने विभिन्न सेवाकैम्पों द्वारा यात्रियों के लिए की गई सुविधा की प्रशंसा की थी। सेवाकेन्द्रों के आयोजकों, संचालकों और स्वयंसेवकों की सेवा को सराहना की। केन्द्रीय मंत्री ने बताया है कि, माता को प्रार्थना करता हूं कि अंबाजी दर्शन करने के लिए आते और सेवा काम करते सभी का कल्याण हो।

उन्होंने कहा है कि, पूरे देश के लोगों की सुख-शांति और समृद्धि बढ़े तथा भारत वैश्विक स्तर पर शक्तिशाली राष्ट्र बने इसके लिए मैं सिर झुकाकर माता को प्रार्थना करता हूं। कलेक्टर कम अंबाजी देवस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष संदीप सागले ने बताया है कि, यात्रियों ने अनुशासन बनाये रखकर मेले की व्यवस्था बरकरार रखने में काफी सहयोग दिया है इसके लिए मैं आभार व्यक्त करता हूं।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

सब्जी में लूट : होलसेल की अपेक्षा खुदरा कीमतों में वृद्धि

अहमदाबाद। मॉनसून बारिश के बाद नये सब्जी की आय में वृद्धि हुई है, लेकिन पानी की कीमत पर मार्केटयाड में होलसेल में नीलामी में बेचने पर सब्जी बाजार में आने तक में चार गुना वृद्धि के भाव से आने पर हिसाब करने पर नुकसान तो किसानों और महिलाओं को हो रहा है। सब्जी बाजार में खुली लूट और मुनाफाखोरी को लेकर एक तरफ महिलाएं परेशान है, किसानों को भी मार्केटयार्ड में चाहिए ऐसी कीमत नहीं मिल रही है जिसके वह दुखी है क्योंकि, यहीं सब्जी खुदरा कीमत पर बेचे तो तब चार गुना कीमत वृद्धि के साथ बेचा जाता है। लोगों को सब्जी सस्ती मिल सके ऐसा है लेकिन दलालों की मुनाफाखोरी के कारण खेत से घर तक पहुंचने पर हरी सब्जी की कीमत में चार गुना वृद्धि हो जाती है। सामान्य रूप से बारिश बाद एक महीने के बाद नये सब्जी की आय शुरू हो जाती है, लेकिन दलालों की मुनाफाखोरी के कारण महिलाओं तक सब्जी पहुंचती है तब इसकी कीमत बढ़ जाती है। नीलामी में होलसेल में अधिकतर सब्जी १० रुपये में बेची जा रही है। लहसुन की कीमत घट गई है। गत दिन मार्केटयार्ड में लहसुन ७५ पैसे किलो बेचा जाता था। लहसुन १ से २ रुपये, मध्यम लहसुन ४ से ५ रुपये और बेस्ट लहसुन की कीमत होलसेल में ९ से १० रुपये प्रति किलो है, जिसका बाजार में ४० रुपये से ६० प्रतिकिलो बेचा जा रहा है।

एपीएमसी के सेक्रेटरी दीपक पटेल के बताये अनुसार पिछले एक सप्ताह से सब्जी ज्यादा सस्ती हुई है। ज्यादा आय की असर से सब्जी ज्यादा सस्ती हुई है। फ्लावर और टमाटर की आय बढ़ी है। महाराष्ट्र की टमाटर के सामने गुजरात की टमाटर की आय भी बढ़ी है। अभी हरी सब्जी सस्ती होनी चाहिए इसके बदले में हरएक सब्जी प्रतिकिलो ४० से ६० रुपये प्रतिकिलो मिल रही है। एक समय में १०० रुपये किलो की कीमत पर बेचे जा रहे टमाटर अभी बाजार में ३० रुपये किलो बेची जा रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com